ज्ञान विचार

ज्ञान खुद में वर्तमान है, इन्सान सिर्फ उसका अविष्कार करता है।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 जून 2023 वर्ष : 6, अंक : 05 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

मोदी–मोदी के नारों से गूंजा नया संसद भवन... सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को पहली लाइन में बैठने को दी गई जगह

गजब हरियाणा

नई दिल्ली–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए संसद भवन में प्रवेश करते ही सदस्यों और गणमान्य लोगों ने खड़े होकर तालियों से स्वागत किया और इस दौरान मोदी–मोदी के नारे लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति डॉ हरिवंश ने नए संसद भवन में पीएम मोदी की अगवानी की। लोकसभा कक्ष में पहुंचते ही जोरदार तालियों और नारों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के साथ– साथ मोदी –मोदी के जमकर नारे लगे।विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पहली पंक्ति में बैठने का स्थान दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ना जरूरी : महामहिम राज्यपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण विकास के लिए उठाये कदम

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़, हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि जीवन मे शिक्षा का बड़ा महत्व है। जो जितना पढ़ेगा, जीवन में उतना ही आगे बढ़ेगा। शिक्षा व्यक्ति का बौद्धिक विकास करती है, जिससे व्यक्ति हर क्षेत्र में कामयाबी प्राप्त करता है। महामहिम राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय रविवार को सिरसा के गांव दड़बी में बने होजरी क्लस्टर का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने होजरी में उत्पादन, निर्मित सामान आदि का अवलोकन करते हुए कारीगरों से बातचीत की। राज्यपाल ने दड़बी गांव के 'फ्लावर मैन' से प्रसिद्ध रामजी का निस्वार्थ भाव से कार्य के लिए उनको बधाई दी।

ग्रामीणों से संवाद करते हुये राज्यपाल ने कहा कि ग्रामीण विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेकों योजनाएं क्रियान्वित की है। इस दौरान ग्रामीणों से राज्यपाल ने योजनाओं के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना आदि योजनाओं के बारे में बताते हुये कहा कि उन सभी को इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

राज्यपाल ने किसानों को जागरूक बनने पर बल देते हुए उन्हें प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सिरसा का दड़बी गांव बागवानी में अग्रणी है, जोकि बहुत ही खुशी की बात है। प्रदेश के अन्य गांव भी प्रेरणा ले और बागवानी को अपनाएं।

राज्यपाल ने महिला स्वयं सहायता समूह बातचीत करते हुए कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह बेहतर कार्य कर रही है ग्रामीणों को चाहिए कि वे महिला सशक्तिकरण में सहयोगी बनकर इनकी मदद करें उन्होंने कहा कि महिलाएं शिक्षित बने और आगे बड़े महिलाएं जितनी आगे बढ़ेंगे देश उतने उन्नति करेगा।

राज्यपाल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनसे गांव के विकास व योजनाओं के क्रियान्वयन बारे में जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव की समस्याओं के बारे में बताया।

शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है: डॉ. बनवारी लाल

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने रविदासिया समाज सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़, प्रदेश के सहकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने आज टोहाना में रविदासिया समाज सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संत शिरोमणी गुरु रविदास जी किसी एक जाति या सम्प्रदाय के ही गुरु नहीं थे वह पूरी मानव जाति को रास्ता दिखाने वाले महापुरुष थे। गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी प्रकाश स्तम्भ की तरह समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं जिनको वर्तमान सरकार ने अमलीजामा पहनाने का काम किया है। टोहाना की जनता द्वारा किये गए स्नेहपूर्ण अभिनदंन के लिए सहकारिता मंत्री ने आभार व्यक्त किया और रविदास मंदिर निर्माण हेतु 21 लाख रुपए की राशि अनुदान स्वरूप देने की घोषणा की।

उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणी गुरु रविदास ने सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए सभ्य समाज की स्थापना करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर की सोच थी कि समाज का हर वर्ग शिक्षित बने व एक जागरूक समाज की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की पहली सीढ़ी है जिन परिवारों के बच्चे पढ़ लिख लेते हैं वही जागरूक समाज की स्थापना करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी माताओं बहनों से आह्वान करते हुए कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित अवश्य बनाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ साथ अपने बच्चों को अच्छे संस्कार भी दे ताकि एक सभ्य समाज का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी विशेष जाति वर्ग के नहीं अपितु समस्त समाज के होते हैं। हमें ऐसे महापुरुषों के सिद्धातों, विचारों व शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करके देश व समाज के नव निर्माण में योगदान देना चाहिए।

'गजब हरियाणा' में विवाहिक विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें : 91382-03233

आल इंडिया आदि धर्म मिशन, भारत, के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत सतविंद्र सिंह हीरा को चरण छूह गंगा खुरालगढ़ साहिब में गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

श्री 108 स्वामी गुरुदीप गिरी जी महाराज गद्दी नशीन डेरा श्री 108 स्वामी जगत गिरी महाराज को गजब हरियाणा समाचार पत्र की प्रति भेंट करते हुए संपादक जरनैल सिंह रंगा व राजेश राठी / संपादक जरनैल सिंह रंगा को सिरोपा पहनाकर सम्मानित करते श्री 108 संत गुरदीप गिरी जी महाराज।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज तप अस्थान खुरालगढ़ साहिब में प्रबंधक बाबा नरेश सिंह महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा और प्रबंधक कमेटी की संपादक जरनैल सिंह रंगा को भी सम्मानित किया गया।

कौम ए आवाज, क्रांतिकारी श्री 108 संत कृष्ण नाथ जी, गद्दीनशीन डेरा बाबा फूल नाथ जी चहेड़ू,जिला फगवाड़ा को गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

डेरा श्री 108 संत बाबा हंसराज जी महाराज पंडवा फगवाड़ा के प्रबंधक संत बाबा जसविंद्र पाल जी महाराज को गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। और संपादक जरनैल रंगा को सम्मानित करते हुए संत बाबा जसविंद्र पाल जी।

शहरी भारत में बदलता जीवन

पिछले कुछ वर्षों में, सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और विशेष रूप से पीएमएवाई-यू लाभार्थियों के सहयोग से सबके लिए आवास सुनिश्चित करने के प्रयासों को एक नई गति मिली है। मिशन के माध्यम से लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान देने की दिशा में काम करने का प्रयास किया गया है।

प्रत्येक पात्र लाभार्थी को एक पक्का घर उपलब्ध कराने के माननीय प्रधान मंत्री के विजन को पूरा करने के उद्देश्य से, प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) (पीएमएवाई-यू) वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। पिछले सात वर्षों में, पीएमएवाई-यू में लगभग 8.31 लाख करोड़ के निवेश, जिसमें से 2.03 लाख करोड़ केंद्रीय सहायता है, के साथ लगभग 1.23 करोड़ घरों को स्वीकृति दी गई है। मई 2022 तक, एक करोड़ से अधिक घरों का निर्माण शुरू हो चुका है और वे निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं; जिसमें से 60 लाख से अधिक मकान बनकर तैयार हो चुके हैं और लाभार्थियों को सौंप दिए गए हैं। पीएमएवाई-यू निसंदेह दुनिया में सबसे महत्वाकांक्षी और सबसे बड़ा आवास कार्यक्रम है। यह अत्यधिक प्रासंगिक है व सबके लिए आवास प्रदान करने राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं और वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है।

कार्यकाल सुरक्षा की आवश्यकता को मानते हुए, मिशन ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग सहित सभी आय वर्गों में आवास की मांग को स्वीकार किया और इसका उद्देश्य पानी के कनेक्शन, रसोई और शौचालय की सुविधा के साथ सभी मौसमों के अनुकूल, शालीन आवासीय इकाइयां प्रदान करके पर्याप्त भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। आवास में लैंगिक समावेश में तेजी लाते हुए, मिशन आवास इकाइयों में संयुक्त रूप से या एक मात्र मालिक के रूप में महिलाओं का मालिकाना हक अनिवार्य करता है। मिशन ने व्यापक रूप से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रतिबद्धता को पूरा किया है: शून्य गरीबी का लक्ष्य 1, लैंगिक समानता का लक्ष्य 5, स्वच्छ पानी और स्वच्छता का लक्ष्य 6, संवहनीय शहरों और समुदायों का लक्ष्य 11 और जलवायु कार्रवाई का लक्ष्य 13।

पीएमएवाई-यू पांच मूलभूत तरीकों से कुकी कटर यूनिट्स और सिल्वर-बुलेट सॉल्यूशंस के साथ पूर्ववर्ती आवास योजनाओं से अलग है। सबसे पहले, पीएमएवाई-यू चार घटकों द्वारा आपूर्ति पक्ष या मांग पक्ष समर्थन के साथ, कैफेटेरिया दृष्टिकोण अपनाते हुए शहरी परिवारों के विभिन्न सेगमेंट्स की आवास मांग को पूरा करता है। स्थानीय स्तर पर मांग सर्वेक्षणों के माध्यम से अलग-अलग आवास की मांग को जाना गया, जिससे इच्छुक लाभार्थियों को उपयुक्त घटक का विकल्प चुनने की अनुमति मिली और इससे शहर आवास की मांग तैयार कर पाए, जिसके आधार पर प्रत्येक घटक के लिए राष्ट्रीय लक्ष्य तैयार किए गए। इस तरह के बॉटम-अप दृष्टिकोण के साथ, मिशन ने आवास और सम्मानजनक जीवन के लिए विभिन्न लक्षित समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरत के अनुसार उचित रूप से विभिन्न डिजाइन तत्वों को विकसित किया है। पीएमएवाई-यू के लोकाचार समावेशी हैं तथा लिंग, जाति, पंथ या धर्म पर ध्यान दिए बिना सभी को समान अवसर प्रदान करते हैं।

दूसरा, पीएमएवाई-यू के तहत विजन पहले के आवास कार्यक्रमों के स्लम-फ्री सिटी के बजाय सबके लिए आवास है, जिसका अर्थ है कि यह केवल एक सेगमेंट और सब मार्केट के बजाय सभी आय वर्गों के लिए आवास की जरूरत को पूरा करता है। तीसरा, यह शहरी स्थानीय निकायों को पीएमएवाई-यू को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अन्य मिशनों जैसे अमृत, एसबीएम, एनयूएलएम के साथ अभिशरण का अवसर प्रदान करता है और इस तरह आवास मूल्य श्रृंखला और सीढ़ी में एकीकृत आवास नीतिगत ढांचा प्रदान करता है।

चौथा, मिशन सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत करते हुए मांग आधारित दृष्टिकोण अपनाता है। यहां राष्ट्रीय और राज्य स्तर के संस्थान मौजूद हैं जो मिशन के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करते हैं। पांचवां, अनपेक्षित समूहों को लाभ कम करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचे, डिजिटल प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है। इसमें विभिन्न लिंकेज शामिल हैं।

लाभार्थियों के आधार सत्यापन के लिए यूआईडीएआई पोर्टल के साथ रखा गया है, पीएफएमएस के साथ डीबीटी मोड के माध्यम से निर्माण से जुड़ी सब्सिडी का हस्तांतरण और जीआईएस आधारित केंद्रीय एमआईएस आदि। व्यापक व मजबूत एमआईएस प्रणाली विकसित की गई है जो सभी हितधारकों को निर्बाध रूप से जानकारी का प्रबंधन करने और भौतिक और वित्तीय प्रगति से संबंधित रिकॉर्ड रखने में मदद करती है। मकानों के निर्माण की प्रगति की निगरानी के लिए एमआईएस पांच चरणों वाली जियो-टैगिंग सुविधाओं से युक्त है। सूचना के प्रसार के लिए एमआईएस को विभिन्न डैशबोर्ड और डीबीटी भारत पोर्टल के साथ भी एकीकृत किया गया है। प्रत्यक्ष भौतिक और वित्तीय प्रगति के अलावा, मिशन ने अपने बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के कारण अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक प्रभाव डाला है, जो अर्थव्यवस्था के लगभग 130 क्षेत्रों को प्रभावित करता है। यह अनुमान लगाया गया है कि मिशन के तहत निर्माण गतिविधि में लगभग 413 मीट्रिक टन सीमेंट और 94 मीट्रिक टन स्टील की खपत होगी, जो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक प्रोत्साहन होगा।

ऐसा अनुमान है कि मिशन 246 लाख रोजगार सृजित करने में सक्षम रहा है। इसके अलावा, पीएमएवाई-यू प्रौद्योगिकी नवाचार अनुदान के माध्यम से नई निर्माण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दे रही है। इस उद्देश्य के लिए ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज-इंडिया और इंडियन हाउसिंग टेक्नोलॉजी मेला आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री के विजन के तहत किफायती आवास को हकीकत में बदलने के प्रयास ने लाइट हाउस परियोजनाओं की शुरुआत की। छह स्थानों-चेन्नई, इंदौर, राजकोट, लखनऊ, रांची और अगरतला में 6,000 से अधिक फ्लैटों का निर्माण चल रहा है। निर्माण प्रक्रिया में उपयोग की जा रही नवीन तकनीकों को जीएचटीसी-इंडिया के तहत शॉर्टलिस्ट किया गया था और जो अब गरीबों के लिए किफायती, आरामदायक, समावेशी, ऊर्जा-कुशल और आपदा-रोधी घरों के निर्माण में मदद कर रही हैं।

इन तकनीकों का उपयोग छात्रों, प्रोफेशनल्स, बिल्डर और विभिन्न हितधारकों को सिखाया जा रहा है, ताकि वे उन्हें भारतीय संदर्भ में दोहरा सकें। हाल ही में, एलएचपी चेन्नई का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। परियोजना को 12 महीने के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया था। कोविड-19 ने शहरों में प्रवासी कार्यबल को किफायती किराए के आवास देने की आवश्यकता को रेखांकित किया, परिणामस्वरूप 2020 में अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स योजना की शुरुआत हुई। अब तक, एआरएचसी के तहत 80,000 आवास इकाइयों को मंजूरी दी गई है, जबकि 22,000 इकाइयों में निर्माण कार्य शुरू हो गया है। मिशन के माध्यम से लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान देने की दिशा में काम करने का प्रयास किया गया है।

जरनैल रंगा

धार्मिक व नेक कार्यों में भाग लेने से मन को मिलती है शांति : संदीप गर्ग

समाजसेवी संदीप गर्ग ने गांव कलालमाजरा में श्री गुरु गोरखनाथ की मूर्ति स्थापना करवाई

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । बाबैन के गांव कलालमाजरा में रविवार को ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर में श्री गुरु गोरखनाथ की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने शिरकत कर व रीबन काटकर मूर्ति स्थापना कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रसिद्ध समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि गांवों में इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए और इस प्रकार के आयोजनों में भाग लेने से न केवल मन को शांति मिलती है। बल्कि नेक कार्य में भाग लेने का अवसर भी प्रदान होता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भगवान श्री गोरखनाथ की पूजा अर्चना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा का हर नागरिक उनका अपने परिवार का सदस्य है और उनके द्वारा हल्के के लोगों की भलाई के लिए अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं और आगे भी हमेशा करवाए जाते रहेंगे। वहीं मंदिर समिति के सदस्यों ने समाजसेवी संदीप गर्ग को पगड़ी पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया। मौके पर सोमनाथ, धर्मवीर, दीपक कुमार, चंद्रमोहन, बिंदर कुमार, कर्म सिंह, गुरमेल सिंह, राकेश कुमार, गुरमीत सिंह, मदन लाल आदि मौजूद थे।

भाजपा की मौजूदा सरकार कर रही है खिलाडियों की अनदेखी : मेवा सिंह

समय की ताकत/ शर्मा

बाबैन, युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए और विशेषतौर पर शिक्षा के साथ-साथ युवाओं को खेल गतिविधियों में बढ़ चढ़ हिस्सा लेना चाहिए। उपरोक्त शब्द लाडवा से कांग्रेस विधायक मेवा ड्क्षसह ने गांव संघौर में युवा विकास मंडल व खेल क्लब द्वारा आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के उपरांत उपस्थित खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहे।

इस मौके पर पूर्व मंडी प्रधान लाभ सिंह, सरपंच राकेश कुमार, महबुब अली, पंच रामशरण, भीम सिंह उमरी, मुकेश दुहन, पंचायत समिति सदस्य सुखविंद्र सिंह, सोपु देशवाल, रविंद्र दुहन, मनिष हरिया, बलदेव सिह, राजपाल, सुरेश सरवारा व अनेक खिलाडी मौजूद रहे।

एचयूजे का राज्य स्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन 9 जून से केदारनाथ धाम में

संजीव शर्मा जैनपुर सर्वसम्मति से एचयूजे लाडवा के बने प्रधान और विजय कौशिक बने महासचिव

गजब हरियाणा न्यूज/सुशील

लाडवा । हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की एक विशेष बैठक संजीव कुमार शर्मा लाडवा के कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ ने मुख्य अतिथि तथा प्रदेश महासचिव राजीव शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। साथ ही लाडवा शाखा का गठन भी किया जिसमें संजीव शर्मा जैनपुर को स्थानीय शाखा का सर्वसम्मति से प्रधान व विजय कौशिक को महासचिव चुना गया। नवनियुक्त प्रधान संजीव शर्मा ने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है वह उसका निर्वहन पूरी जिम्मेदारी व इमानदारी से करेंगे। हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट लाडवा के नवनियुक्त प्रधान संजीव शर्मा ने बताया कि यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ केदारनाथ में होने वाले 9 जून से दो दिवसीय सम्मेलन का न्योता देने आए थे। यूनियन प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में पत्रकार बंधु भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में पत्रकार बंधुओं को समय समय पर आने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया जाएगा और सम्मेलन में आए नए बंधुओं को पत्रकारिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएगी। वहीं प्रदेश महासचिव राजीव शर्मा ने बताया कि पत्रकारों के आने-जाने, खाने-पीने व ठहरने की व्यवस्था यूनियन की ओर से निशुल्क की जाएगी। वहीं लाडवा शाखा का पुनर्गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से कैलाश गोयल को संरक्षक, संजीव शर्मा जैनपुर को प्रधान व विजय कौशिक को महासचिव पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। वहीं इन्हे बाकी की

कार्यकारिणी गठन करने का अधिकार दिया गया। इससे पूर्व यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ व प्रदेश महासचिव राजीव शर्मा का बैठक में पहुंचने पर फूलों के हार पहनाकर स्वागत किया गया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ, प्रदेश महासचिव राजीव शर्मा, कैलाश गोयल, संजीव शर्मा जैनपुर, राम गोपाल गुप्ता, सुमित गोयल, विजय कौशिक, सुशील कंबोज, रामपाल, संदीप कौशिक आदि उपस्थित रहे।

10वीं कक्षा की परीक्षा में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली ज्योति को डा. फुलिया ने किया सम्मानित

फुलिया ने छात्रा को एक हजार रुपए प्रति महीना देने की घोषणा की

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

करनाल । प्रदेश सरकार अतिरिक्त मुख्य सचिव व दो विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर के पदों पर रह चुके डॉक्टर राज रूप फुलिया ने निगदु पहुंचे और हरियाणा बोर्ड में 10वीं की परीक्षा में प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा ज्योति को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और अपना आर्शीवाद दिया। फुलिया ने उनको प्रेरणादायी पुस्तकें भी भेंट की। इस दौरान डॉ. फुलिया ने ज्योति को एक हजार रूपए प्रति महीना देने की घोषणा की। इस मौके पर गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा और प्रोफेसर जगदीश चन्द्र ने भी बेटी ज्योति को आशीर्वाद दिया। संपादक जरनैल रंगा ने बताया की गजब हरियाणा समाचार पत्र के स्थापना दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

छात्रा ज्योति ने 10वीं के परीक्षा परिणाम में 500 में से 496 अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन किया। छात्रा के अनुसार पढ़ाई के दौरान उसने कोई टयूशन भी नहीं ली। गरीबी में जीवन व्यतीत करने वाला ज्योति के परिवार के सात सदस्य एक छोटे कमरे में इकट्ठे रहते हैं और यह उपलधि हासिल कर छात्रा ने साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। उनका सपना आइपीएस बनना है। ज्योति ने बताया की उसे यह प्रेरणा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष से मिली। उनको बाबा साहब को ज्यादा तो नहीं पढ़ा लेकिन जितना भी पढ़ा, उसमें पता चला कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने बहुत ही विकट परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए अपनी पढ़ाई की और भारत के संविधान की रचना की। उन्होंने कहा की बाबा साहब ने सभी को समानता, पढने़, खाने पीने, रहने का अधिकार दिया।

डॉ. फूलिया ने छात्रा को आगे बढने़ के लिए प्रेरित किया और जीवन में उच्च पढ़ाई कर बुलदियों को छूने का आह्वान किया। उन्होंने कहा की ज्योति जैसे कुछ बच्चे विरले होते है जिनको विकट परिस्थितियों से पार पाकर आगे बढने़ का सौभाग्य प्राप्त होता है। और ऐसे बच्चे जरूर कुछ बडा कर देश, प्रदेश, समाज, गांव व माता पिता का नाम ऊंचा करते हैं। उन्होंने ज्योति को यूपीएसी की परीक्षा के लिए टिप्स भी दिए।

छात्रा के पिता जसविंद्र करते मजदूरी तो माता गृहणी

ज्योति की तीन बहनें व एक भाई है जिसमें वह सबसे बड़ी है। छोटी बहने भी अपनी बहन से प्रेरणा लेते हुए पढ़ाई कर रही हैं। पिता जसविंद्र मजदूरी का कार्य करके परिवार का पालन पोषण करते हैं तो माता ग्रहणी है।

उनकी बेटी हमेशा पढ़ाई में लगी रहती: मां

मां ने बताया कि ज्योति कभी परेशान नहीं करती बल्कि छोटी बहनें व भाई शरारतें कर देते है जबकि ज्योति इनको टोकने की बजाए अपने कानों में अंगूली डाल लेती है लेकिन पढ़ाना नही छोड़ती और हमेशा पढ़ाई में लगी रहती है। उसको खेलना, शरारत करना बिल्कुल भी पसंद नही है।

दूसरे विद्यार्थियों से बिल्कुल अलग है ज्योति: डोडा

जिस स्कूल में ज्योति पढ़ती है। उस स्कूल संस्थापक जितेंद्र डोडा का कहना है कि ज्योति दूसरे विद्यार्थियों से बिलकुल अलग है। ज्योति कभी शरारत नहीं करती है और ना कभी कोई शिकायत करती है। हमेशा पढ़ाई में मग्न रहती दिखती है। स्कूल की तरफ से भी ज्योति को पूरा सहयोग मिलेगा।

ज्योति व उसके परिवार को हर संभव सहयोग देने का दिया आश्वासन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में जियोग्राफी के प्रोफेसर डॉ अमृत सर ने ज्योति को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह ज्योति व उनके परिवार के साथ है। उन्होंने ज्योति को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। हलका नीलोखेड़ी के समाजसेवी इंद्रजीत सिंह गुर्राया ने ज्योति का मुंह मीठा कराया और उसे पढ़ाई में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अब 22 फेसलेस सेवाओं का लाभ उठा सकते है वाहन व सारथी पोर्टल से : शांतनु
फेसलेस तरीका अपनाने से नहीं लगाने पड़ेंगे सरकारी दफ्तरों के चक्कर
सरकार निरंतर बढ़ा रही है सुशासन की दिशा में कदम

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने सुशासन की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाते हुए अब हरियाणा में वाहन और सारथी पोर्टल के माध्यम से आधार आधारित 22 फेसलेस सेवाओं का लाभ आमजन को देने का निर्णय लिया है। लाइसेंस सेवाओं का लाभ उठाने के लिए पोर्टल सारथी. परिवहन. जीओवी. आईएन/सारथी सर्विस का प्रयोग किया जा सकता है। डीसी शांतनु शर्मा ने कहा कि सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत आमजन को ऑनलाइन आवेदन से तय समय पर सुविधाएं दी जाएंगी। इसके तहत आमजन को वाहन पोर्टल पर वाहन पंजीकरण से संबंधित जैसे गिरवी जारी रखना, स्वामित्व का हस्तांतरण, पते में बदलाव, नया परमिट जारी करना, परमिट का नवीनीकरण, किराया खरीद समझौते का पृष्ठांकन, अस्थायी परमिट के लिए आवेदन, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की प्रतिलिपि, मोटर वाहन के अस्थायी पंजीकरण के लिए आवेदन, परमिट की प्रतिलिपि जारी करना, फिटनेस सर्टिफिकेट की प्रतिलिपि जारी करना, फीस के बदले रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट विवरण देखना, परिवहन सेवाओं के रिकार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट करना जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वाहन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए पोर्टल वाहन.परिवहन.जीओवी.आईएन/वाहन सर्विस का प्रयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि सारथी पोर्टल पर चालक लाइसेंस से संबंधित सेवाएं जैसे प्रतिलिपि जारी करना, लाइसेंस का नवीनीकरण, लाइसेंस का प्रतिस्थापन, लाइसेंस में पते का परिवर्तन, लाइसेंस निकलवाने का प्रावधान, अंतर्राष्ट्रीय चालक परमिट जारी करना, खतरनाक सामग्री को चलाने हेतु पृष्ठांकन, पहाड़ी क्षेत्र में चलाने हेतु पृष्ठांकन, लाइसेंस से वाहन की श्रेणी का समर्पण शामिल है।

शिक्षकों को खेल खेल में पढ़ाने के तरीके बताए प्रशिक्षकों ने
लायंस क्लब की टीचर्स क्रेस्ट वर्कशाप में टीचर्स ने दिखाया उत्साह

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । लायंस क्लब द्वारा आज एसडी आदर्श बाल विद्या मंदिर में टीचर्स क्रेस्ट वर्कशाप का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय वर्कशाप का आज समापन किया गया। इस वर्कशाप में टीचर्स का मनौहारी ढंग से पढ़ाने का तरीका सिखाया गया। दो दिवसीय कार्यशाला में बी एल जोशी ने टीचर्स को खेल खेल में बचचों को पढ़ाने का तरीका बताया। आज समापन समारोह में मुख्य अतिथि लांयस क्लब के गवर्नर विरेंद्र मैहता थे। विशिष्टठ अतिथि अजय गोयल थे। कार्यक्रम का संचालन विनोद खेत्रपाल ने किया। इस अवसर पर विरेंद्र मैहीता ने कहा कि टीचर्स को शिक्षा के साथ संस्कार देना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि टीचं को पएाने से पहले बच्चों की मनौदशा को समझना जरुरी हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथ ने टीचर्य का प्रमाणपत्र दिए। इस अवसर पर गीत संगीत के कार्यक्रम भी हुए। इस अवसर पर प्रिसिंपल दिनेश डीमरी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रवीएा गुलाटी, राजेश भाटिसा, विरेंद्र चौपढ़ा, वनीत भाटिया, प्रवीण बधावन, सुनील पुरी, महेंद्र बत्रा, अशोक खेत्रपाल, मेंह्रद बत्रा, राजीव मैहता, सुभाष, सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित थे।

बजीदपुर कीअकेडमी से जुड़े खिलाडियों ने हासिल किए सात गोल्ड मेडल

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता मे गांव बजीदपुर की राइजिंग स्टार कराटे अकेडमी के 21 खिलाडियों ने भाग लिया जिसमें अकादमी के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल्ड मेडल, एक सिल्वर व एक ब्रॉन्ज मेडल जीते। इससे पहले भी अकेडमी के खिलाडियों अनेक जगहों पर खेल प्रतियोगिताओं में बेहत्तर प्रदर्शन कर नाम चमका चुके हैं और अब भी अपनी प्रतिभा दिखाते हुए खिलाडियों ने अकेडमी व गांव का नाम रोशन किया है।

कोच रिंकू के अुनसार विहान, नमन, देवेश, ज्योति, तनिश, हर्ष, सूरज ने गोल्ड मेडल, यशदीप ने सिल्वर और रिया ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। बजीदपुर के मतांशू रंगा, आकृति रंगा ने राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में सिल्वर और ब्रॉन्ज लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं होती, सिर्फ उनको तराशने की जरूरत है। हमारे बच्चे आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं यदि उन्हें अवसर दिए जाएं तो वो बुलंदियों को छू सकते हैं।

जीवन में मुकाम हासिल करने के लिए मेहनत और जुनून का होना अति आवश्यक : अजराना
कक्षा दसवीं में 95% अंक लेने वाली छात्रा जसलीन कौर आनंद को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना ने कहा कि जीवन में मुकाम हासिल करने के लिए मेहनत और जुनून का होना अति आवश्यक है। वे आज हेज़ल ओवरसीज में टैगोर पब्लिक स्कूल की कक्षा दसवीं में 95त्न अंक लेकर विद्यालय, शहर एवं माता-पिता का नाम रोशन करने वाली छात्रा जसलीन कौर आनंद को सम्मानित कर रहे थे। उन्होंने छात्रा जसलीन कौर आनंद के जुनून और मेहनत की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए सेंटर के अन्य विद्यार्थियों को उससे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि छात्रा जसलीन कौर आनंद के पिता देवेंद्र सिंह आनंद की कोरोना-19 के समय मृत्यु हो गई थी। देवेंद्र सिंह आनंद के आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इसके बावजूद जसलीन कौर ने हिम्मत और दलेरी रखते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी तथा शानदार अंक प्राप्त करते हुए अपने विद्यालय, शहर एवं अभिभावकों का नाम रोशन किया है। उन्होंने छात्रा जसलीन कौर को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए अपनी ओर से हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।छात्रा जसलीन कौर आनंद ने कहा कि वे अपनी यह उपलब्धि अपने स्वर्गीय पिता जी को समर्पित करती है। हेज़ल ओवरसीज के डायरेक्टर गगनदीप सिंह ने बताया कि जसलीन कौर आनंद पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी शुरू से हिस्सा लेती रही है। वह दो फिल्मों व गानों में भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। इसके साथ साथ जसलीन कौर, इंस्टाग्राम पर भी खूब चर्चित है। उन्होंने हर क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए जसलीन कौर आनंद को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए देश, कौम और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

अमर शहीद संत रामानन्द जी (शहीदी दिवस पर विशेष)

कुछ अद्वितीय व्यक्तित्व इस अद्भुत दुनिया में जन्म लेते हैं जो समाज की सेवा में अपने महान कार्यों से अमर हो जाते हैं। हालाँकि सच्चे संत पूरी मानवता के लिए ज्ञान के प्रकाशस्तंभ हैं। देश की सीमाओं, रंग, जाति और पंथ के आधार पर विभाजन उनके लिए अर्थहीन हैं। संत बरगद की घनी छाया के समान होते हैं जो मनुष्य के कुकर्मों से उत्पन्न अत्यधिक गर्मी के विरुद्ध ठंडी पश्चिमी हवा के माध्यम से आश्रय और सांत्वना प्रदान करते हैं।

संत रामानंद जी के पिता श्री महंगा राम जी और अन्य पूर्वज, जो डेरा सचखंड बलान के भक्त थे, 1910-15 के दौरान गाँव अलावलपुर, जिला जालंधर में बसने के लिए गाँव बल्लान से चले गए। प्रकृति नई ऐतिहासिक घटनाओं को बनाने के लिए अनोखे तरीके खोजती है। कुछ ऐसा ही हुआ इस परिवार की जिंदगी में। सामान्य वैवाहिक जीवन व्यतीत करने वाले श्री महंगा राम जी और बीबी जीत कौर जी ने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें एक ऐसा पुत्र प्राप्त होगा जो माला के मोतियों की तरह पूरे उदास समुदाय को एक करेगा और एक स्थान पर सर्वांगीण गौरव लाने में एक अद्भुत भूमिका निभाएगा। डेरा सचखंड बल्लन की पूजा को पूरी दुनिया जानती है, जिस पर आने वाली पीढ़ियां हमेशा गर्व करेंगी। सतगुरु स्वामी निरंजन दास जी और संत रामानंद जी के अथक प्रयासों के कारण, अब डेरा सचखंड बल्लान पूरी मानवता और खासकर दलितों के लिए मक्का के रूप में जाना जाता है। पिछले आध्यात्मिक नेताओं की महान विरासत को समझना और उनकी सराहना करना और उनके द्वारा छोड़े गए पदचिह्नों पर आगे बढ़ना हमेशा वर्तमान आध्यात्मिक नेताओं का आदर्श वाक्य रहा है।

श्री 108 संत रामानंद जी का जन्म 2 फरवरी, 1952 को धन्य माता-पिता श्री महंगा राम जी और श्रीमती जीत कौर जी के घर हुआ। वे जन्म से ही साधु स्वभाव के थे। उनके आकर्षक रूप ने मोहल्ले के लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने जालंधर के दोआबा कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। एक छात्र के रूप में वे हमेशा गहरे विचारों में डूबे रहते थे। उन्हें बचपन से ही संतों की संगति पसंद थी जो उनकी भक्ति के कारण उन्हें दिव्य ज्ञान की ओर ले जाती थी। परिवार के कुछ सदस्यों ने रामानंद को संतों की संगति से दूर रखने की मांग को लेकर कड़ा विरोध शुरू कर दिया। घर में अक्सर धार्मिक प्रवचन होते रहते थे। संत रामानंद जी घरेलू काम-काज करते हुए भी हर पल ध्यान में भगवान से प्रार्थना करते थे। अंत में, रामानंद जी श्री 108 संत हरि दास जी, डेरा सचखंड, बल्लान के पवित्र चरणों की सेवा में थे। उन्हें श्री 108 संत हरि दास जी द्वारा 'नामदान' का आशीर्वाद दिया गया था। सन् 1973 से सन् 1973 से गाँव बल्लन में बाबा पीपल दास जी की स्मृति में बने सुन्दर मन्दिर में रहकर सन्त रामानंद जी ने ईश्वर का ध्यान करना जारी रखा। संत रामानंद जी भक्तों की सेवा में रहे और ब्रह्मलिन श्री 108 संत हरि दास जी और श्री 108 संत गरीब दास जी के जीवन काल में प्रतिदिन भक्ति भजन गाते हुए धार्मिक प्रवचन करते थे।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि संत रामानंद जी ने श्री 108 संत हरि दास जी से 'नामदान' प्राप्त किया था और उन्हें श्री 108 संत गरीब दास जी द्वारा एक संत के रूप में दीक्षित किया गया था। उन्हें श्री गुरु रविदास जी के उपदेशों के प्रचार और प्रसार के लिए कई देशों की यात्रा करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। बाद में उन्होंने वर्तमान आध्यात्मिक प्रमुख श्री 108 संत निरंजन दास जी के निर्देशन में कई देशों का दौरा किया और कई

मंदिरों के निर्माण और विदेशों में भक्तों को श्री गुरु रविदास जी के उपदेश से जोड़ने में मदद की। उन्होंने सभी विदेशी भक्तों के बीच खुद को प्रतिष्ठित किया। उनके आध्यात्मिक प्रवचनों की मधुर धुनों को सुनकर भक्त मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

वह एक सक्षम प्रशासक थे, जिन्होंने डेरा के मामलों को शिष्ट तरीके से प्रबंधित किया। श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं का विश्व भर में संतों की मंडली के माध्यम से प्रचार और प्रसार करते हुए, उन्होंने डेरा सचखंड बल्लान द्वारा संचालित कई धर्मार्थ परियोजनाओं के तहत मानवता की सेवा में विभिन्न कार्यों को करने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई। डेरा सचखंड बल्लन द्वारा प्रकाशित 'बेगमपुरा शहर' के संपादक के रूप में उन्होंने प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान कीं, जिसके लिए उन्हें दलित साहित्य अकादमी द्वारा एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पहली बार था जब उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में हाउस ऑफ कॉमन्स में श्री गुरु रविदास जी के बारे में अपना भाषण देकर इतिहास रचा था। वे गुरबाणी के बड़े विद्वान थे और अत्यंत सरल उदाहरणों के माध्यम से इसके जटिल विवरणों को समझाने में विशेषज्ञ थे।

उन्होंने न केवल डेरा सचखंड बल्लन में श्री गुरु रविदास संगीत अकादमी की स्थापना की, बल्कि उनकी दूरदर्शी प्रवृत्ति ने कई प्रतिभाशाली मिशनरी गायकों, कवियों और लेखकों की पहचान की, जिन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। जालंधर दूरदर्शन उनकी मोहक आवाज में प्रस्तुत 'अमृतबनी श्री गुरु रविदास जी' और 'बेगमपुरा शहर का नाव' नामक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।

डेरा सचखंड बल्ला द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न संस्थानों के भवनों के निर्माण में संत रामानंद जी का विशेष योगदान रहा। जब निम्नलिखित प्रतिष्ठानों के नए भवनों का निर्माण हो रहा था, तब संत रामानंद जी एक कुशल कार्यकर्ता के रूप में अग्रणी भूमिका निभाते थे और भक्तों द्वारा आराम करने के अनुरोध के बावजूद, वे एक और सभी को प्रेरणा देते हुए घंटों काम करके उदाहरण प्रस्तुत करते थे-

* श्री गुरु रविदास जन्म स्थान मंदिर, सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी।
* संत सरवन दास चैरिटेबल अस्पताल, अड्डा कथार।
* श्री गुरु रविदास सत्संग भवन, बल्लन।
* श्री गुरु रविदास मंदिर हदियाबाद, फगवाड़ा।
* संत सरवन दास मॉडल हाई स्कूल हदियाबाद, फगवाड़ा।
* संत सरवन दास चैरिटेबल आई हॉस्पिटल, बल्लन।
* श्री गुरु रविदास मंदिर, सिरगढ़, हरियाणा।
* बाबा पीपल दास जी की कर्मभूमि और संत सरवन दास जी का जन्म स्थान, गिल पट्टी, बठिंडा।
* श्री गुरु रविदास मंदिर, कात्रज, पुणे।
* संत रामानंद जी एक अथक और दृढ़निश्चयी योद्धा थे जिन्होंने बिना थके या परेशान हुए मिशनरी कार्यों को पूरा करने के लिए दिन-रात काम किया। वे अक्सर कहा करते थे, जो समय महाराज जी की सेवा में लगा सकता है, वही काम आता है, फिर कोई अवसर मिलेगा या नहीं, यह कैसे पता चलेगा।

जबकि श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज उपस्थित आध्यात्मिक प्रमुख, डेरा सचखंड बल्ला और गुरु-घर के मंत्री गुरबानी कीर्तन के प्रतिपादक, भगवान के भक्त, महान 'वैद्य', श्री गुरु रविदास मिशन के उपरिकेंद्र और संत समाज के अनमोल हीरे। श्री 108 संत रामानंद जी श्री गुरु रविदास जी के उपदेशों का प्रचार करने और प्रचार करने के मिशन पर थे, ऑस्ट्रिया के विएना में श्री गुरु रविदास मंदिर के अंदर मानवता के दुश्मनों ने हमला किया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली लगने के बाद भी संत रामानंद जी जगतगुरु रविदास जी के नाम का जप करते रहे कि वे अभी भी अपने मिशन के प्रचार और प्रसार के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं। लेकिन नियति ने अन्यथा चाहा और 25 मई, 2009 को सुबह-सुबह उन्होंने इस अल्पकालिक दुनिया को अपने स्वर्गीय निवास के लिए छोड़ दिया।

संत रामानंद जी ने जगतगुरु रविदास जी महाराज के उपदेश 'सत्संगत मिल रहिये माधो जैसे मधुप मखिरा' (हे भगवान! हमें मधुमक्खियों की तरह प्रार्थना में एकजुट रहने के लिए आशीर्वाद दें) का प्रचार करते हुए शहीद हो गए। श्री गुरु रविदास जी के अनुयायी विश्व स्तर पर सदैव एक रहें।

संत रामानंद जी ऑस्ट्रिया के विएना में हुई सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके नेक विचार हमें सही रास्ते पर ले जाने के लिए हमेशा हमारे साथ रहेंगे।

भाजपा सरकार सिर्फ बातों की सरकार कांग्रेस जनता से किया वादा निभाती है : रोहित जैन

गजब हरियाणा न्यूज

अम्बाला, अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के आदेशानुसार व सैलजा के निर्देशानुसार सेक्टर -08, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अंबाला शहर में अधिवक्ता विनोद वालिया, अधिवक्ता ललित शर्मा द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष अधिवक्ता रोहित जैन द्वारा की गयी। मंच संचालन का जिम्मा वरिष्ठ नेता तरुण चुघ और दविंद्र बजाज ने संभाला। विशेष अतिथि के रूप में गुरतेज अंटाल मोजूद रहे। सभा में सभी कांग्रेसजनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और केंद्र सरकार की जन विरोध नीतियों की जम कर आलोचना की। इस दौरान कांग्रेसजनों ने उपस्थित आमजनों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में जाना और कांग्रेस पार्टी की नीतियों के बारे अवगत कराया। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता रोहित जैन ने कहा कि जो लोग कांग्रेस मुक्त भारत का सपना देखते थे आज दक्षिण भारत उनसे मुक्त हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस अपनी विचारधारा पर विश्वास करती है और कर्नाटक में इसी विचारधारा की जीत हुई है। रोहित जैन ने आगे कहा की सरकार की नीतियाँ मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए कोई राहत नहीं दे रही हैं। बढ़ती महंगाई की चपेट में मध्यम वर्ग के परिवार हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई इतनी बढ़ गयी है हमारी बहनों को घर चलाने में परेशानी आ रही है। कोई रोजगार नहीं है दो करोड़ रोजगार देनी की बात हुई थी लेकिन वह भी सिर्फ जुमला साबित हुआ। उन्होंने आगे कहा की बढ़ती महंगाई को क़ाबू करने में भाजपा पूरी तरह से विफल है। आज बच्चों की पढ़ाई का खर्च और रोज़मर्रा का खर्च अत्यधिक हो चुका है। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा की आज वो लोग गायब हैं जो सर पर सिलेंडर लेकर घुमा करते थे। रोहित जैन ने हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार पर भी जमकर हमला बोला उन्होंने कहा किसान विरोधी सरकार ने अनाज मंडियों के लिए कुछ नहीं किया आज भी किसानों लाइन में लगना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा की परिवार पहचान पत्र के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा की गरीबों को परेशान किया जा रहा है। रोहित जैन ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय हम सबने देखा कि कितने पैसे आए और कितने खर्च हुए हैं इसकी जाँच होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा की भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है। यह सरकार संविधान की कमजोर करना चाहती है।

रोहित जैन ने हरियाणा की परिस्थितियों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा-जजपा सरकार की कुनीतियों के चलते प्रदेश की जो परिस्थिति हो चुकी है, वो किसी से भी छुपी हुई नहीं है। आज जहाँ भी मुख्यमंत्री जी जाते हैं उन्हें विरोध का सामना करना पड़ता है। आज हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है कहीं डॉक्टर नही है तों कहीं नर्स नहीं है। रोहित जैन ने भारत जोड़ो यात्रा की सफलता का जिक्र करते हुए कहा की राहुल गांधी जी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा जिन 20 विधानसभाओं से गुजरी थी वहाँ कांग्रेस ने 15 सीटें जीतीं हैं। उन्होंने आगे कह की भाजपा की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है पहले हिमाचल में जनता ने भाजपा को नकारा और अब कर्नाटक के साथ साथ पूरे दक्षिण भारत से भी भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया। उन्होंने कहा आज जिस तरीक़े से हमारे नेता राहुल गांधी जी जनता के बीच जाकर नफ़रत के विरोध में मुहब्बत की बात करते हैं। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिका अर्जुन खरगे जी जिनका सवालों का जवाब प्रधानमंत्री जी भी नही दे पाते हैं। हमारी नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के प्रति जो जनता का विश्वास है वो अविश्वसनीय है। जो हमें कर्नाटक चुनावों के नतीजों में भी दिखा भाजपा ने अपनी हार को देखते हुए बजरंग बली का नाम से वोट

माँगना शुरू किया लेकिन भगवान का आशीर्वाद सदैव जनता की भलाई करने वालों के साथ होता है।

कांग्रेस ने हमेशा सच कहा और सच के बूते पर वोट लिए है। इसलिए लोगों को जागरूक करने और मजबूत विपक्ष का काम निभाने के लिए कांग्रेस पार्टी तैयार है। भाजपा सरकार की सभी गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सोनिया गांधी जी, श्री राहुल गांधी जी और श्रीमती प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष श्री मल्लिका अर्जुन खड्गे और कुमारी सैलजा के नेतृत्व में ये जन आंदोलन छेड़ा है, ताकि हम सब मिलकर लोगों के बीच जाएं और उनकी आवाज को उठाएं और उसे बुलंद करें। इस दौरान सुरजीत सिंह पंजोखरा, इशु गोयल, जिला सेवा दल प्रधान कुलदीप सिंह गुल्लू, राजविंदर कौर, खुशबीर वालिया,विपिन गर्ग, संजीव फौजी, अधिवक्ता रघुबीर रघु, संदीप शर्मा, जतिंद्र पाल सोढ़ी, मनप्रीत बॉबी, सतपाल मलिक, अधिवक्ता विश्वजीत ठाकुर, अधिवक्ता आर. के. परवाना, पंडित राजपाल, कुलदीप मोखामजरा, किरन राणा, बलजीत सिंह(रिटायर्ड डी.एस. पी.),सूरज भान(रिटायर्ड एस. एच. ओ.), राजेश शर्मा,राजीव शर्मा, नंमबरदार मोनिंदर संधू, रविन्द्र संधू, कमलजीत वालिया, कमलकांत, अश्वनी, भजन सिंह बेह्ग्ल, चरनजीत चन्नी, सोनू हकीम,दीपा वालिया, राकेश कुमार समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मोजूद रहे।

शुभकामनाएं

बेटी सुजान कौर सुपुत्री निर्मल सिंह वाल्मीकि, गांव फूस, मंडी सरदूलगढ़ जिला मानसा की रहने वाली है। जिन्होंने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा में 500 में से 500 अंक प्राप्त किए है। इस अवसर पर बेटी और गजब हरियाणा समाचार पत्र की ओर से बहुत बहुत बधाई।

UPSC सिविल सर्विस परीक्षा में हरियाणा को गौरवान्वित करने वाले चमकते सितारे

कनिका गोयल
9वां रैंक

अभिनव सिवाच
12वां रैंक

कनिका गोयल कैथल रैंक - 9
अभिनव सिवाच गोरखपुर फतेहाबाद - 12
संदीप कुमार रोहतक - 24
अंकिता पंवार जुलाना जींद - 28
मुस्कान डागर झज्जर - 72
सुनील फोगाट चरखी दादरी - 77
निधि कौशिक सोनीपत - 88
प्रतीक किरडोलिया हिसार - 93
दिव्यांशी सिंगला कैथल - 95
मुस्कान खुराना पानीपत - 98
अंकित नैन जुलाना - 99
मनस्वी करनाल - 101
दिव्या महेन्दरगढ़ - 105
मानसी दहिया सोनीपत - 178
पूजा यादव गुरुग्राम - 219
हरदीप सिंह रापड़िया गुलियाना कैथल - 227
भावेश तोशाम - 280
मुनीश वशिष्ठ कैथल - 283
अभिरूचि यादव महेन्दरगढ़ - 317
योगेश सैनी रेवाड़ी - 323
राहुल बल्हारा बहु अकबरपुर - 494
राहुल सांगवान भिवानी - 508
आरती रेवाड़ी - 552
अवधेश जाजोरिया नूह - 873
दिनेश कुमार हांसी - 889
सुनील कुमार नूह - 909

गजब हरियाणा समाचार पत्र की ओर से सभी महानुभावों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनायें।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की

माधवे किआ कहिऐ भ्रमु ऐसा ।। जैसा मानीऐ होई न तैसा ।। रहाउ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु जी ! क्या कहें जीव भ्रम के कारण इस संसार को सच मानता है पर जैसा यह जीव इस संसार को सच समझकर मानता है यह संसार वैसा नहीं है भाव यह कि संसार असत्य है ।

धन गुरुदेव जी

धन मिलना आसान है लेकिन मन की शांति मिलना बहुत मुश्किल

सुख और मानसिक शांति भला किसे नहीं चाहिए, सभी तो इसकी तलाश में है। लेकिन मानसिक अशांति क्यों है, दुख क्यों है ? इसके कारण पर जोर देना जरूरी है।

तथागत कहते हैं – इंसान की इच्छाएं बहुत है, इच्छाओं ने मन को परेशान कर रखा है, उन चाहों के कारण तनाव है और तनाव के कारण अशांति है। धन, पद, प्रतिष्ठा, वस्त्र, भोजन, पांच इंद्रिय सुखों की हर दिन नई इच्छा पैदा हो रही है तो अशांति बढ़ेगी ही।

धन मिलना आसान है लेकिन मानसिक शांति, संतोष, सुख मिलना बहुत मुश्किल है। धन तो छोटी बात हैं भागते रहो तो मिल ही जाएगा। कानूनी ढंग, नेकी ईमानदारी से नहीं तो बेईमानी, लूट खसोट और शोषण से मिल जाएगा। धन को तो जैसे तैसे पाया जा सकता है लेकिन मानसिक शांति या सुख कोई वस्तु तो है नहीं कि उसे मुट्ठी में बांध लो या बाजार से खरीद लो या पद प्रतिष्ठा के रौब से हड़प लो।

असल में मानसिक शांति तो सही–ग़लत, भले–बुरे की समझ होने से मिलती है, प्रज्ञा (wisdom) से मिलती है, सजग चित्त व ध्यान से मिलती है। जब व्यक्ति को दुख या अशांति के कारणों का पता चल जाता है। यह समझ में आ जाता है कि मन अशांत क्यों है तो उसी समझ में दुख व अशांति के कारण समाप्त हो जाते हैं और बाकी जो रह जाता है, वह मन की सुख शांति ही है। इसलिए सुख शांति कोई चाहने से नहीं मिलती. फिर चाह ही तो अशांति का कारण है।

हर इंसान सुख पाने के लिए भाग दौड़ कर रहा है लेकिन यह मालूम नहीं करता

है कि वह दुखी क्यों है ? और जब तक दुखी होने के कारणों को नहीं बदलता, तब तक वह कितना ही दौड़े, सुख व शांति नहीं पा सकेगा।

तथागत कहते हैं– लोग सुख खोज रहे हैं और दुख पैदा कर रहे हैं। सारी ऊर्जा दुख पैदा करने में लगी है और मन का एक छोटा सा हिस्सा सुख खोजने में लगा है, सफल कैसे होगा ?

व्यक्ति का पूरा जीवन दुख पैदा करने में लगा रहता है जबकि जरुरी यह है कि दुख के कारण खोजो और उसका उपाय कर दूर करो। बाकी जो बचेगा वह सुख ही सुख है जहां दुख नहीं होगा वहां सुख का सागर होगा।

भवतु सब्बं...सबका मंगल हो ...सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

सिद्धार्थ और सुजाता

सिद्धार्थ के जीवन में यदि सुजाता नहीं आती तो संसार को बुद्ध नहीं मिल पाते, क्योंकि कष्ट देने वाली तपस्या से शरीर सूखकर कांटा तो हो ही गया था, पेट पीठ से चिपक गया था।

उरुवेला (उरूबिल्व) के सुंदर वन में निरंजना (फल्गु) नदी कल कल बहती थी। वही सेनानी कस्बे के एक संपन्न गोपालक गृहपति की पुत्री थी सुजाता। वहां के लोग प्रकृति के उपासक थे। नदी, पहाड़, वृक्ष आदि में देवताओं का वास मानकर पूजते थे। सुजाता ने भी एक न्यग्रोध (बरगद) के वृक्ष से मनौती मांगी थी।

सुजाता का विवाह वाराणसी में हुआ। संयोग से उसकी मनोकामना पूरी हुई। वैशाख पूर्णिमा को वह दासी पूर्णा के साथ अपने पीहर आई और वट वृक्ष की पूजा के लिए स्वादिष्ट खीर बनाई।

दासी को कहा, पुर्णे ! तुम पवित्र वटवृक्ष के पास जल छिड़क कर, सफाई कर जल्दी आओ। मैं वृक्षदेव को खीर अर्पित करने जा रही हूं।

पिछले छः साल से कुमार सिद्धार्थ आश्रमों व दूसरी जगहों पर ध्यान, समाधि व ज्ञान का अभ्यास कर रहे थे। इस समय उरुवेला में कठिन तपस्या के लिए बैठे हुए थे। भोजन छोड़ दिया। काया सूखकर कांटा हो गई थी।

इसी दौरान सपने में तीन वीणा वादक युवतियां गा रही थी। 'जीवन की वीणा के तारों को इतना मत कसो कि टूट जाए और इतने ढीले ली भी मत रखो कि स्वर ही नहीं निकले। वीणा के मध्य कसे तारों से ही मधुर स्वर निकलता है'।

सिद्धार्थ ने इसके बाद कठिन तपस्या का मार्ग छोड़ दिया और उसी वट वृक्ष के नीचे आसन लगा दिया जिससे सुजाता में मनौती मांगी थी।

दासी पुर्णा ने वृक्ष के नीचे आसन लगाए बैठे सिद्धार्थ को देखा। उनके शरीर से निकलने वाली आभा से सारा वटवृक्ष प्रकाशित हो रहा था।

वह अचंभित हो गई– आज हमारे वृक्ष देवता स्वयं अपने ही हाथ से खीर ग्रहण करने को विराजमान है।

पूर्णा दौड़ी दौड़ी घर आकर सुजाता को सारी बात बताई. सुजाता बहुत प्रसन्न हुई। उसने पूर्णा को गले लगाते हुए कहा, पुर्णे ! आज से तू मेरी पुत्री बनकर रहेगी।

सुजाता ने आनंद व भाव विभोर मन से आठ गायों के मिश्रित दूध से बनी खीर को सोने के थाल में परोसा। आभूषणों से सुशोभित हुई। बोधिसत्व सिद्धार्थ को साक्षात वृक्ष देवता समझकर सोने का थाल उनके सामने रखा।

वंदना करते हुए कहा, 'जैसी मेरी मनोकामना पूरी हुई, वैसे ही तुम्हारा भी मनोरथ पूरा हो'। ऐसा कहकर वह सोने के थाल को पुरानी पत्तल की तरह समझकर घर आ गई।

सिद्धार्थ खीर से भरा थाल लेकर निरंजना नदी के किनारे आए। स्नान कर उनचास ग्रास में खीर का भोजन किया। और यही भोजन उनके बुद्धत्व प्राप्ति होने तक के लिए भारी सहायक बना क्योंकि इतने दिनों तक उन्होंने कोई दूसरा आहार नहीं लिया था। खीर खाकर उन्होंने स्वर्ण थाल को निरंजना नदी में झूठे पत्तल की तरह फेंक दिया।

उसी शाम को वे वहां से चलकर एक पीपल के पेड़ (बोधिवृक्ष) के नीचे दृढ़ निश्चय कर बैठ गए।

'चाहे मेरी चमड़ी, नसें, हड्डियां ही क्यों न बाकी रह जाए और शरीर में रक्त सुख जाए तो भी सत्य ज्ञान को प्राप्त किए बिना इस आसन को नहीं छोडूंगा'। उसी रात उन्होंने मार को पराजित कर बुद्धत्व प्राप्त किया।

बाद में सुजाता का पूरा परिवार बुद्ध व धम्म का उपासक बना और सुजाता स्त्रोतापन हुई।

तथागत ने सुजाता की धम्म के प्रति श्रद्धा देखकर कहा था। भिक्खुओं! उपासिका व श्राविकाओं में प्रथम बुद्ध की शरण आने वालिओं में सुजाता अग्रणी है

सुजाता की स्मृति में उनके गांव में सम्राट अशोक ने विशाल स्तूप बनवाया था जो आज भी उस धम्म गौरव की कहानी कह रहा है।

भवतु सब्बं मंगलं.. सबका मंगल हो.. सभी प्राणी सुखी हो

आलेख : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

9414242059

यूपीएससी 2023 की परीक्षा में टॉप करने वाली इशिता किशोर

जिन्होंने एआईआर– 01 हासिल की है। इशिता ने यह उपलब्धि तीसरे प्रयास में हासिल की है। इन्होने दिल्ली के श्री राम कॉलेज ऑफ कार्मस से इकनॉमिक्स में ग्रेजुएशन की पढाई पूरी की इसके बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में 2 साल तक काम किया इसके बाद सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी में जुट गई। ऑल इंडिया रैंक 1 लाने वाली इशिता किशोर पटना की हैं। यूपीएससी टॉपर इशिता किशोर मूल रूप से बिहार की बेटी हैं। जिसे अनुसूचित जाति से संबंधित बताई जा रही है। दादा की तरफ से भी और नाना की तरफ से भी। ग्रेटर नोएडा के जलवायु विहार में यह परिवार रहता है, लेकिन इशिता मूल रूप से पटना सिटी की रहने वाली हैं। पटना सिटी, मतलब पटना साहिब। और ननिहाल मूल रूप से सासाराम है। नाना पटना में न केवल रहे, बल्कि एक जमाने में शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी भी थे। इशिता का ननिहाल परिवार लंबे समय तक झारखंड के गुमला में भी रहा।

पिता विंग कमांडर थे, बचपन की पढ़ाई पटना से की है, पिता का नहीं है साया

पिता एयरफोर्स में विंग कमांडर थे, इसलिए पटना के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल से पूरी स्कूली शिक्षा हासिल की है। पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। इशिता जब छोटी थीं, तभी पिता का साया सिर से उठ गया। मां ने इशिता को पढ़ा–लिखाकर इस मुकाम तक पहुंचाया। पिता की एयरफोर्स में नौकरी के चलते वे देश के अलग–अलग जगहों पर रहे और जब उनकी पोस्टिंग हैदराबाद में हुई तब इशिता का जन्म हुआ। इशिता का एक भाई भी है जिसका नाम नवनीत है। फिलहाल इशिता का परिवार यूपी के ग्रेटर नोएडा में रहता है।

श्रीराम लेडी कॉलेज से की हैं पढ़ाई

अपनी 12 वीं कक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहाँ से उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। परीक्षा में टॉप करने पर वह काफी खुश हैं। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया था कि मुझे सफलता की पूरी उम्मीद थी, लेकिन मेरिट लिस्ट में पहले स्थान प्राप्त होना मेरे लिए सुखद आश्चर्य है। उन्होंने बताया कि यहां तक पहुंचने का उनका सपना कठिनाइंयों भरा रहा है।

इशिता किशोर का यूपीएससी सफर

इशिता ने ग्रेजुएशन करने के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में रिस्क एडवाइजर के रूप में करीब दो साल तक काम किया। इसी बीच उनके मन में सिविल सेवा परीक्षा देने का ख्याल आया। और उन्होंने अपना रुख भारतीय प्रशासनिक सेवा की ओर कर लिया। इशिता ने जॉब के साथ साथ सिविल सेवा की तैयारी तो लेकिन पढाई ठीक नही होने के कारण दो बार प्रिलिमिनरी में असफल रही। इसके बाद भी इशिता ने हार नही मानी और नौकरी छोड़ पूरी तरह से तैयारी में लग गई और अपने तीसरे प्रयास में सिविल सेवा एग्जाम में टॉप किया। इशिता ने ग्रेजुएशन भले ही अर्थशास्त्र में किया है लेकिन सिविल सेवा परीक्षा में ऑप्शनल सब्जेक्ट पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस है।

जानिए इशिता किशोर की मां ने क्या कहा...

इशिता ने अपने तीसरे प्रयास में देश में सिविल सेवा एग्जाम में पहला स्थान हासिल कर यह साबित कर दिया कि मेहनत और लग्न के आगे हर प्रयास को जीता जा सकता है। इशिता ने इस सफलता का श्रेय अपनी मां को दिया है और कहा है कि इस सफलता में कई लोगों का हाथ रहा है, आप अकेले रहकर इतनी बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकते। इशिता की मां ज्योति किशोर ने बताया, 'मैं बहुत खुश हूं। बेटी इशिता की बहुत अच्छी तैयारी रही है और वो हमेशा इसके प्रति फोकस्ड भी रही है। उन्होंने कहा कि पूरा परिवार हमेशा इशिता के लिए सपोर्टिव रहा है। सारे लोग बहुत सपोर्ट करते हैं। एक मां के रूप में जो करना चाहिए वो मैंने भी किया।'

संसार के विरोध में, परमात्मा के पक्ष में

जो जानते हैं, उनका जानना कुछ और है। वे संसार के विरोध में नहीं हैं—कैसे हो सकते हैं संसार के विरोध में ???

वे परमात्मा के पक्ष में हैं।

अब जरा थोडा समझकर चलना, एक एक बात को गौर से सुन लेना, नहीं तो गलत समझोगे।

वे परमात्मा के पक्ष में हैं, संसार के विरोध में नहीं।

और तुम्हारे पंडित पुरोहित, तुम्हारे संत साधु संसार के विरोध में हैं, परमात्मा के पक्ष में नहीं। जो परमात्मा के पक्ष में हैं, वे तुम्हें संसार से नहीं तोडना चाहते, सिर्फ परमात्मा से जोडना चाहते हैं। और जिस दिन तुम जुडोगे उस दिन तुम पाओगे कि संसार में भी थे तुम उसी से जुडे हुए,सोए सोए जुडे थे, अब जागकर जुडे, बस इतना ही फर्क है। सोए सोए परमात्मा में जी रहे थे, अब जागकर जीने लगे, बस इतना ही फर्क है। विरोध कुछ भी नहीं है।

जैसे इस बगीचे में कोई सोया हो गहरी नींद, कोयल आए और गीत गाए, पक्षियों का कलरव हो, सूरज निकले, हवाएँ वृक्षों में नाचती हुई गुजरें, मगर कोई गहरी नींद में सोया है, हवाएँ उसे भी छुएँगी और पक्षियों के गीत उसके कान पर भी गुंज करेंगे, सूरज की किरणें उसके चेहरे पर खेलेंगी, पर उसे कुछ पता नहीं।

फिर कोई आए और उसे झकझोर कर जगा दे।

आंख खुले सूरज की महिमा प्रगट हो, पास से गुजरती

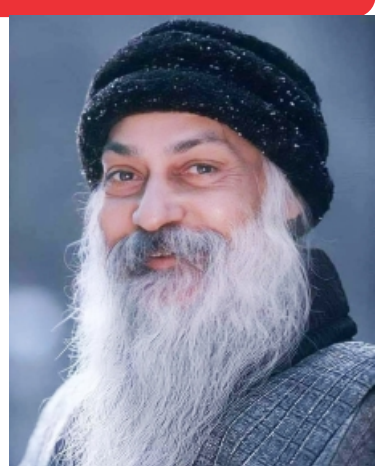

हवा का गीत सुनायी पडे, अचानक कोयल की आवाज आए, फूलों की सुगंध आए, क्या तुम सोचते हो कुछ नया हो गया ???

सब था, सब वैसा का वैसा है, सिर्फ यह आदमी नया हो गया और कुछ नया नहीं हुआ है।

वही बगीचा, वही सूरज, वही फूल, वही पक्षी, सब वही है, सिर्फ इस आदमी में थोडा फर्क पड़ा है, यह सोया था, यह जाग गया।

ओशो

संतो मगन भया मन मेरा–(प्रवचन–02)

अशोक चक्र' से सम्मानित भारतीय सेना के वीर सैनिक हंगपन दादा की पुण्य तिथि पर 452वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

रक्तदान करने से 6 माह तक हृदयघात का संकट टल जाता है: डॉ. अशोक कुमार वर्मा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । हरियाणा के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनेक बार सम्मानित हरियाणा पुलिस के सर्वाधिक रक्तदाता उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा अशोक चक्र' से सम्मानित भारतीय सेना के वीर सैनिक हंगपन दादा की पुण्य तिथि पर 452वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 27 बार रक्तदान कर चुके नरेश कुमार, शगुन वर्मा और अनेक बार रक्तदान कर चुके राजबीर एवं प्रशांत शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हुए थे और इन्होने रक्तदान भी किया। रक्त केंद्र प्रभारी डॉ रमा की अध्यक्षता में सुमित कुमार, रोहित आदि ने रक्त संग्रह किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सेवानिवृत सहायक कुलसचिव दविन्द्र सचदेवा और रक्तदाता सूरज भान अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे हुए थे। राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ अशोक कुमार वर्मा ने सभी सम्मानित अतिथियों और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज का रक्तदान शिविर अशोक चक्र से सम्मानित भारतीय सेना के वीर सैनिक हंगपन दादा को समर्पित है। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे स्वयं 157 बार रक्तदान के साथ 73 बार प्लेटलेट्स दे चुके हैं। रक्तदान स्वयं के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अधिक लाभप्रद है क्योंकि रक्तदान करने से 6 माह तक हृदयघात का संकट टल जाता है। युवाओं को चाहिए कि वे प्रत्येक 3 माह के अंतराल में रक्तदान करें। रक्त नाड़ियों में बहना चाहिए न कि नालियों अथवा सड़कों पर। दविन्द्र सचदेवा ने कहा कि महान आत्माओं की स्मृति में रक्तदान शिविर बहुत ही उत्तम सोच है। शिविर में गुरदीप, नरेश कुमार 27वीं बार, संदीप कुमार, प्रशांत शर्मा, सूरज भान, प्रवीण पाल, कुलदीप, शगुन वर्मा, रोहित कुमार, हमीद, मंजीत सिंह, प्रवीण कुमार, राजबीर, ललित कुमार आदि ने रक्तदान किया।

गुरु रविदास जी महान समागम 4 जून को टोहाना में

गजब हरियाणा न्यूज

टोहाना । गुरु रविदास जी के प्रसिद्ध वाणी प्रचारक बाबा प्रीत रविदासिया ने बताया की जगत पितामह गुरु रविदास जी महाराज की पावन छत्र छाया में महान समागम आयोजित किया जा रहा है। समागम 4 जून को टोहाना की नई अनाज मंडी में होगा। उन्होंने बताया की इस समागम में हरियाणा,पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान,दिल्ली से भारी संख्या में श्रद्धालुगण पहुंचेंगे।

अमर शहीद संत रामानंद जी महाराज के शहीदी दिवस की झलकियां

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

जालंधर । रविदासिया कौम के अमर शहीद श्री 108 संत रामानन्द महाराज (डेरा सचखंड बल्ला पंजाब) जी के शहीदी दिवस 25 मई पर समागम का आयोजन हुआ। जिसमे देश विदेश से भारी संख्या में जन सैलाब उमड़ा। ऐसा प्रतीत हुआ जैसे पूरी कायनात आज डेरा सचखंड बल्ला में प्रकट हो गई हो। जिसमे डेरा श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज, श्री 108 गुरदीप गिरी जी महाराज, श्री 108 संत कृष्ण नाथ जी, संत मनदीप दास जी, संत वीरेंद्र दास जी, श्री 108 संत वीर सिंह हितकारी जी महाराज, श्री 108 संत सतपाल

दास जी महाराज, भारत के कोने कोने से संत समाज ने भी अपने विचार संगत व्यक्त किए। कुरुक्षेत्र के समाजसेवी हरप्रीत चीमा ने भी डेरा सचखंड बल्ला पहुंचकर संतो का आशीर्वाद प्राप्त किया।

निदेशक राधिका धीर ने किया डाक मण्डल का औचक निरीक्षण

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । श्रीमति राधिका धीर निदेशक डाक सेवाएँ, सर्कल मण्डल हरियाणा ने कुरुक्षेत्र डाक मण्डल का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य डाक घर के प्रांगण में अधीक्षक देसू राम ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया ।

इस दौरान डाक बचत बैंक, आधार बनाने व ठीक करने, डाक वितरण, डाक जीवन बीमा, स्पीड पोस्ट इत्यादि सेवाओं के लिए कार्यरत कर्मचारियों से वार्तालाप किया। इसके साथ साथ डाक काउंटर पर अपनी बारी के इंतजार में खड़े ग्राहकों से भी बातचीत की और डाक विभाग द्वारा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए विचार जाने।

उन्होने डाकपाल से पिछले महीनों में किए गए बिजनेस व डाक वितरण बारे भी जानकारी ली। निदेशक राधिका धीर ने कहा कि हमें विभागीय नियमों के अनुसार ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देने संबंधी उपायों पर गौर करना होगा और जितना हो सके विभाग की आय को बढ़ाना होगा और जिनके लिए सर्कल आफिस बिना देरी के फंड जारी करता रहेगा। कुरुक्षेत्र डाक मण्डल में 36 बड़े डाक घर व 199 शाखा डाकघर हैं। ध्यान रहे मई 2023 मे ही कुरुक्षेत्र डाक मण्डल को 80 नए कंप्यूटर व प्रिंटर प्राप्त हुए हैं। जो कुरुक्षेत्र मण्डल के उप डाक घरों में पुराने कंप्यूटरों की जगह लेंगे। निरीक्षण के दौरान देसू राम अधीक्षक के अतिरिक्त प्रवीण अरोडा सहायक अधीक्षक (मुख्यालय), विकास रल्हन सहायक अधीक्षक, कृष्ण कुमार डाकपाल, कुलवंत सिंह ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर, प्रवीण कुमार जन संपर्क अधिकारी, जितेंद्र कुमार सिस्टम मैनेजर, तरुण कुमार सिस्टम मैनेजर इत्यादि मौजूद रहे।

अमर शहीद रामानंद जी के शहीदी दिवस पर हुई 8 बसें रवाना

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । ईस्माइलाबाद से धर्मपाल भोला,झांसा से बाबा मायाराम और शाहबाद के गांव सुढपुर से सेवादार निर्मल सिंह सहित 8 बसें जिले से अमर शहीद संत रामानंद जी महाराज के बलिदान दिवस पर बस यात्रा डेरा श्री 108 संत बाबा हंसराज जी पंडवा, श्री 108 संत बाबा फूल नाथ जी चिहेड़ू, श्री 108 स्वामी जगत गिरी जी महाराज पठानकोट, डेरा स्वामी सरवन दास जी सचखंड बल्ला, श्री गुरु रविदास तपो अस्थान खुरालगढ़ साहिब, श्री गुरु रविदास चरण छू गंगा खुरालगढ़ साहिब, श्री गुरु रविदास आश्रम(सतगुरु समन दास जी) खुरालगढ साहिब, रियासत -ए - खालसा केशगढ़ साहिब, गुरुद्वारा श्री आनंद पुर साहिब के दर्शनों हेतु रवाना हुई। जिसकी रवानगी नगर पालिका के उप चेयरमैन ईशम सिंह और समाजसेविका आशा पठनिया ने झंडी की।

कुरुक्षेत्र में संपन्न हुई महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक

चंडीगढ़ में होने जा रहे राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर भी दिया न्योता

जिंदाबाद करने के साथ मुर्दाबाद कहने का भी साहस रखे समाज : बहादुर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष रीना वाल्मिकी के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर पहुंचे, जहां उनका फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। बैठक में समाज से जुड़े कई पहलुओं पर सार्थक चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए राकेश बहादुर ने कहा कि हमारे समाज को नेताओं की जिंदाबाद करने के साथ साथ मुर्दाबाद कहने का भी साहस दिखाना चाहिए, समाज को चाहिए कि जो नेता लम्बे लम्बे भाषण झाड़ते है उनका रिपोर्ट कार्ड चेक करे कि असल में इन्होंने समाज के लिए क्या किया है ? उन्होंने कहा कि महासभा दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की लगातार लड़ाई लड़ रही है। बैठक में मौजूद लोगों से निवेदन करते हुए उन्होंने कहा कि इस अस्मिता की लड़ाई को बचाने के लिए आप भी महासभा से जुड़े और समाज के लिए कार्य करे।

प्रदेश अध्यक्ष रीना वाल्मिकी ने कहा कि आज शोषित समाज पर आए दिन हमले हो रहे है। आज कहने को तो ये रामराज्य की बात करते है लेकिन इस रामराज्य में शायद दलितों , पिछड़ों और आदिवासियों के लिए कोई जगह नही है। इसका उदाहरण जब देश की सबसे बड़ी पंचायत का शुभारंभ होने जा रहा वहां देश की आदिवासी राष्ट्रपति को दरकिनार किया गया, जब शिलान्यास किया गया तब दलित राष्ट्रपति को इस कार्यक्रम से दरकिनार किया गया, यह वास्तव में बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने भी सांझी लड़ाई लडने के लिए सभी अंबेडकरवादियों को एक मंच पर आकर एक जुट होकर संघर्ष करने की अपील की।

इस दौरान बैठक में महासभा के राष्ट्रीय महासचिव सरदार अमरीक सिंह बांगड़ , चंडीगढ़ अध्यक्ष सत्यवान सरोहा,भारत बराड़ प्रदेश महासचिव, प्रेम सिंह जांगड़ा पूर्व एस.आई, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कैथल, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल, मनदीप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष पाला राम सिंगपुरा, मनोज, सुशील कुमार, अंग्रेज सैनी, जावेद खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रदीप कुमार, जोरा सिंह, बलविंदर, विजयलक्ष्मी, कश्मीरी लाल , सरपंच अंग्रेज सिंह, रमेश सरपंच, सुरेश गुढा, सुनील प्रोचा, राकेश पारचा, रिमन बिडलान, मौजूद रहे।

रोहतक के पाँच साहित्यकार सिरसा में हुए सम्मानित

रोहतक की लेखिका आशा विजय 'विभोर' की पुस्तक ''यादों के सहारे'' का हुआ लोकार्पण

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

रोहतक । दिनांक 21 मई को हरियाणा प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन सिरसा द्वारा संचालित हरियाणा प्रादेशिक लघु कविता मंच के तत्वधान में व डॉ. सुरेन्द्र वर्मा की स्मृति में अखिल भारतीय लघुकविता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में रोहतक के पाँच साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। डॉ.मधुकान्त, प्रो. श्यामलाल कौशल, आशा खत्री लता, अर्चना कोचर व आशा विजय 'विभोर' को लघुकविता सेवी सम्मान-2023 व वर्चुअल प्लेनेट प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई द्वारा साहित्यकार सुरेन्द्र वर्मा की स्मृति में लघुकविता सृजन सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में आशा विजय 'विभोर' की पुस्तक ''यादों के सहारे'' लघुकविता संग्रह का लोकापर्ण डॉ. जयभगवान सिंगला (कुरूक्षेत्र), श्रीमती चांद वर्मा (जयपुर), डॉ. प्रेम कम्बोज (सिरसा), डॉ. मधुकान्त (रोहतक), प्रो. रूप देवगुण (सिरसा), आनन्द प्रकाश आर्टिस्ट (भिवानी), प्रो.श्यामलाल कौशल (रोहतक), सुनीता आनन्द (भिवानी),आशा खत्री लता(रोहतक), अर्चना कोचर(रोहतक), डॉ. शील कौशिक (सिरसा) व हरीश सेठी झिलमिल (सिरसा) द्वारा किया गया।

इस लघुकविता संग्रह को साहित्यकार विजय 'विभोर' की जीवनसंगिनी आशा विजय 'विभोर' ने उनके अधूरे सपनों को पूरा करने की तरफ कदम बढ़ाते हुए उनकी याद में लिखा है।

नरवाना शहर में सीवरेज, पानी समस्या का हुआ समाधान, टेंडर लगे : विधायक रामनिवास

प्रथम चरण में 90 करोड़ रुपए से होगा, सीवरेज कार्य प्रारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/राममेहर

नरवाना । नरवाना हल्के में विकास कार्यों की गति अपनी रफ्तार पकड़ चुकी है, विधायक रामनिवास की मुख्यमंत्री से नजदीकी का फायदा नरवाना की जनता को मिलेगा। विधायक रामनिवास का ड्रीम प्रोजेक्ट जिसको पूरा करने की तैयारी उन्होंने चुनाव जीतते ही शुरू कर दी थी।

वर्ष 2019 में निर्वाचित हुए विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा ने चुनावी जनसभाओं के दौरान नरवाना की जनता से कुछ वादे किए थे जिनमें सीवरेज एवं पानी की समस्या का समाधान करानाए उनके ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल था। विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा के नरवाना के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं मुख्यमंत्री मनोहर लाल से उनकी नजदीकी होने के कारण उनके ड्रीम प्रोजेक्ट सीवरेज एवं पानी की समस्या के समाधान के लिए लगभग 135 करोड़ रुपए की राशि मार्च माह मंजूर की गई थी।

पब्लिक हेल्थ विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में 90 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है जिसमें 75 करोड़ 87 लाख रुपए से शहर के तीनों सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से पानी एकत्रित कर 24 किमी दूर धनौरी ट्रीटमेंट प्लांट पर 30 इंची पाइप के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। और शहर में एक नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाएगा।

वहीं शहर में बारिश के दिनों सड़कों में पानी भर जाने से बुरा हाल रहता हैए जिसके लिए 15 करोड़ रुपए की लागत से गलियों में पाइप लाइन बिछाई जाएगी व शहर में 04 इंटरनल पंपिंग स्टेशन शमशान घाट छोटू राम पार्क, जाट धर्मशाला एलआईसी

रोड, दबलैन रोड व बसंती माता मंदिर के पास निर्माण किया जाएगा। जिसके जरिए बरसाती पानी से शहरवासियों को हो रही समस्या का समाधान किया जाएगा।

वही विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा का कहना है कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान जल्द ही हो जाएगा व विकास कार्य प्रारंभ होने से शहर में हर तरफ खुदाई का कार्य प्रारंभ हो जाएगा, जिससे शहरवासियों को कुछ माह तक तकलीफें होंगी लेकिन विकास कार्य के पूरा होते ही अगले 50 वर्ष तक उन्हें सीवरेज एवं पीने के पानी की समस्या से निजात मिल जाएगा।

बेटियों के स्वर्णिम भविष्य हेतु सुकन्या समृद्धि योजना कारगर : उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि बेटियां समाज का गौरव है और बेटियों को बेहतर शैक्षणिक एवं सुरक्षित माहौल प्रदान करने में सरकार सजगता से अपना दायित्व निभा रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू करते हुए क्रियान्वित किया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वरदान है। इस योजना में जमा की गई राशि भविष्य में बेटियों को उच्चतर शिक्षा दिलवाने व उनकी शादी में आर्थिक रूप से मद्दगार साबित हो रही है। ऐसे में सभी पात्र व्यक्तियों को इस योजना के तहत अपनी बेटी का खाता खुलवाना चाहिए। सुकन्या समृद्धि खाता योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का ही एक भाग है। घरेलू बचत के लिए भी सरकार की यह एक अच्छी पहल है। उन्होंने बताया कि सुकन्या समृद्धि खाता एक डाकघर से दूसरे डाकघर में निशुल्क ट्रांसफर किया जा सकता है। जमा राशि पर लगने वाला ब्याज पूर्णत: कर रहित है तथा इसमे आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत छूट भी प्राप्त है।

उपायुक्त ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत माता-पिता या कानूनी अभिभावक दो लड़कियों के लिए यह खाता खुलवा सकते हैं। बेटी के जन्म से 10 वर्ष तक की उम्र में सुकन्या समृद्धि एकाउंट खोला जा सकता है। यह खाता लडकी के नाम से ही खोला जा सकता है। जमाकर्ता माता-पिता (अभिभावक) में से एक होगा जो नाबालिग लडकी की ओर से पैसा जमा करेगा। उन्होंने कहा कि मात्र 250 रुपये से खाता खोला जा सकता है लेकिन साल में कम से कम एक हजार रुपये हर खाते में जमा होने चाहिए, अधिकतम एक लाख 50 हजार रुपये वर्ष में जमा किए जा सकते है। एक वित्त वर्ष में पैसे नकद, चैक या ड्राफ़्ट के जरिए कितनी बार ही जमा किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि खाता योजना में जमा राशि पर ब्याज की गणना सालाना की जाती है। अभिभावक इस खाते में 14 साल तक ही पैसे जमा करवा सकते हैं और 21 वर्ष में यह खाता परिपक्व हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष के बाद बेटी की उच्चतर शिक्षा के लिए तथा विवाह के समय जमा राशि में से आधा हिस्सा निकलवाया जा सकता है। यह खाता इसके खोले जाने की तिथि से लेकर लडकी की आयु 21 वर्ष होने तक तथा उसके विवाह के बाद बंद किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि खाता खुलवाने के लिए बेटी के जन्म का प्रमाण पत्र, अभिभावक के पते का प्रमाण तथा फोटो पहचान पत्र (पैन कार्ड, वोटर आईडी या आधार कार्ड) की जरूरत पड़ती है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत यह खाता पोस्ट ऑफिस या बैंक में खुलवाया जा सकता है।

निरोगी हरियाणा योजना के उद्देश्य लोगों को उनकी सहुलियत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना : अनीश यादव

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा निरोगी हरियाणा योजना की शुरुआत की गई है। जिसके अंतर्गत राज्य में रहने वाले का बिल्कुल मुफ्त में मेडिकल चेकअप किया जा रहा है, ताकि नागरिकों के स्वास्थय की जांच समय-समय पर हो और किसी भी गंभीर बीमारी के बारे पता चलने पर मरीज को समय पर इलाज मिल सकें। उसके लिए एक भी पैसा आपको देने की जरूरत नहीं है और ना ही आपको हॉस्पिटल के चक्कर लगाने की जरूरत है। बल्कि इस योजना के तहत आवेदन कर कर अपना मुफ्त में चेकअप करवा सकते हैं।

निरोगी हरियाणा योजना क्या है

डीसी अनीश यादव ने कहा कि निरोगी हरियाणा योजना हरियाणा सरकार के द्वारा संचालित एक जनहितकारी योजना है। योजना के तहत राज्य में रहने वाले नागरिकों का मुफ्त में मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। ताकि अगर कोई गंभीर बीमारी निकले का इलाज निशुल्क किया जा सके। इसके अलावा योजना के माध्यम से राज्य के रहने वाले नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित सुविधा का लाभ देना ही योजना का प्रमुख लक्ष्य है।

बता दें कि निरोगी हरियाणा योजना की शुरूआत महामहिम राष्ट्रपति द्वारा गत 29 नवम्बर 2022 में की गई थी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा निरोगी हरियाणा योजना को हरियाणा में लागू करने का मुख्य उद्देश्य राज्य आने वाले नागरिकों को मुफ्त में मेडिकल चेकअप देना है। ताकि अगर उन्हें कोई गंभीर बीमारी है तो उनका इलाज निशुल्क किया जा सके। योजना के तहत राज्य के नागरिकों को उपचार के लिए 6 भागों में विभाजित किया गया है। समस्त परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य जांच सुचारू रूप से आयु अनुरूप होने से संक्रमण की जांच की जा सकेगी। जिसके लिए 25 से ज्यादा परीक्षण की श्रृंखला निर्धारित की गई है। इसके अलावा दूसरे प्रकार के अन्य टेस्ट भी डॉक्टर के सलाह पर किए जा रहे हैं और 2 दिनों के भीतर रोगी को उसके टेस्ट का रिपोर्ट भी दी जा रही है। इन टेस्टो को करने के लिए कोई भी पैसा सरकार लाभार्थी से नहीं ली जा रही है, बल्कि निशुल्क में सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

निरोगी हरियाणा योजना के लाभ

डीसी अनीश यादव ने कहा निरोगी हरियाणा योजना -2022 के तहत हरियाणा के सभी लोगों का मुफ्त में चेकअप किया जा रहा है। योजना का लाभ राज्य के सभी उम्र के नागरिकों को प्रदान किया जा रहा है। वहीं इस योजना के द्वारा राज्य में रहने वाले नागरिकों को चेकअप करने के लिए सरकारी हॉस्पिटल के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। लोगों के स्वास्थ्य की जांच निशुल्क होने से समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है।

स्वास्थ्य की जांच होने से लोगों

को कौन बीमारी है, उसका उपचार भी किया जा रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी निरोगी हरियाणा योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिविल अस्पताल, हेल्थ वेलनेस सेंटर, पीएचसी एवं सीएचसी में 1 लाख 80 हजार रुपए से कम आय वाले अंत्योदय परिवारों के निशुल्क टेस्ट किए जा रहे हैं।

नागरिक अस्पताल में लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच एक छत के नीचे की जा रही है। मरीजों को लाइन में नहीं लगना पड़ रहा है। उनके अलग से सैंपल लिए जा रहे है। सब सेंटरों पर भी मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि टेस्ट करवाने के लिए लोगों को अपना परिवार पहचान पत्र साथ लाना होगा। इस योजना के तहत मुफ्त में दवाइयां भी दी जा रही है।

सभी विद्यालयों को करनी होगी शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी गाइडलाइन की पालना : डीसी

गर्मी से बचाव के लिए शिक्षा निदेशालय ने जारी की गाइडलाइन

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि हरियाणा स्कूल शिक्षा निदेशालय ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान विद्यार्थियों को लू तथा गर्मी से बचाने हेतु शिक्षा अधिकारियों और स्कूल मुखियाओं को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं, जिनका सभी सरकारी व निजी विद्यालयों को पालन करना होगा। उन्होंने ने जिला शिक्षा अधिकारी को जिला के सभी विद्यालयों में सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों तथा खंड शिक्षा अधिकारियों को भेजी गयी गाइडलाइन में कहा गया है कि तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

विद्यालय संचालकों को इन बातों का रखना होगा ध्यान

1. किसी भी अवस्था में विद्यार्थियों को खुली धूप में न बैठाया जाए।
2. किसी भी प्रकार का कार्यक्रम, आयोजन खुली धूप में न किया जाए।
3. विद्यार्थियों के लिए साफ पीने के पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक घंटे के अंतराल पर पानी पीने के लिए एक घंटी बजाई जाए ताकि विद्यार्थी समयानुसार पानी पीने जा सकें।
4. विद्यालयों में उपलब्ध रेडक्रॉस फंड में से लू से बचाव आदि के लिए ओआरएस पैकेट की व्यवस्था की जाए।
5. सभी विद्यार्थियों के साथ गर्मी से बचने के उपायों पर चर्चा की जाए तथा व्यापक जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। परामर्श हेतु आयुष विभाग से संपर्क किया जा सकता है।
6. किसी भी आपात स्थिति के संदर्भ में स्थानीय अस्पताल में संपर्क की व्यवस्था की जाए तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें।
7. खिडकी को रिफ्लेक्टर जैसे एल्यूमीनियम पन्नी गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके।
8. उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती हैं, पर्दे लगाकर रखा जाए।
9. स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें।
10. बच्चों व पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़ें।
11. जहां तक संभव हो सूर्य के संपर्क से बचें।
12. सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें।
13. संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें।
14. घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढक कर रखें।

जागरूकता कैम्प 1 जून 2023 से 26 जून 2023 तक

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, जिला विधिक सेवाए प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम गुनित अरोड़ा ने बताया कि 1 जून को गांव हरनोल में पैनल के एडवोकेट वीपीएस सिद्धू द्वारा, 2 जून को गांव इसरपुर में एडवोकेट आरिफ मोहम्मद द्वारा, 3 जून गांव जयपुर मे एडवोकेट अक्षय शर्मा द्वारा, 4 जून को गांव बहादुरपुर में एडवोकेट धर्मेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा, 5 जून को गांव झींजरों मे एडवोकेट दीक्षा द्वारा, 6 जून को गांव कैल में एडवोकेट निखिल गुप्ता, 7 जून को गांव कैत में एडवोकेट परवीन कुमार द्वारा, 8 जून को गांव कलानोर में एडवोकेट परवेज खान द्वारा, 9 जून को गांव करहेड़ा खुर्द 1 में एडवोकेट प्रणव लाम्बा द्वारा, 10 जून को गांव करहेड़ा खुर्द 2 में एडवोकेट पुनित कुमार द्वारा, 11 जून को गांव काठवाला में एडवोकेट राहुल देव वत्स द्वारा, 12 जून को गांव खजूरी में एडवोकेट राहुल सांगवान द्वारा कानूनी जागरूकता कैम्प आयोजित किए जाएगे।

उन्होंने बताया कि 13 जून को गांव खुण्डेवाला में एडवोकेट राजबीर द्वारा, 14 जून को गांव खुर्दी में एडवोकेट राखी वर्मा द्वारा, 15 जून को गांव कुंजल जट्टान में एडवोकेट सचिन द्वारा, 16 जून को गांव कुंजल कम्बोयन में एडवोकेट सचिन पंजेटा द्वारा, 17 जून को गांव लापरा में एडवोकेट संजीव कुमार द्वारा, 18 जून को गांव मेहला वाली में एडवोकेट सतनाम सिंह द्वारा, 19 जून को गांव महमूदपुर में एडवोकेट शोभा अरोरा द्वारा, 20 जून को गांव माली माजरा में एडवोकेट सुनील कुमार द्वारा, 21 जून को गांव मण्डी में एडवोकेट सुरिन्द्र प्रताप सिंह द्वारा, 22 जून को गांव मण्डोली में एडवोकेट उमेश कुमार द्वारा, 23 जून को गांव मुकारमपुर में एडवोकेट वैभव लाम्बा द्वारा, 26 जून को गांव नागल में एडवोकेट एडवोकेट यशराज द्वारा कानूनी जागरूकता कैम्प आयोजित किए जाएगे।

दृढ़ निश्चय और संघर्ष से कर सकते हैं कोई भी मुकाम हासिल : शांता रंगा

रमाबाई अंबेडकर का जीवन संघर्ष से भरा, उनके जीवन से प्रेरणा लेकर बढें आगे : सतप्रकाश रंगा

रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि पर समाज के लोगों ने उन्हें याद कर दी श्रद्धांजलि

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, वरिष्ठ अधिवक्ता शांता रंगा ने कहा है कि अगर मन में दृढ़ निश्चय और संघर्ष करने की शक्ति है तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। माता रमाबाई अंबेडकर ने भूखे प्यासे रहकर संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को आगे बढने् का मौका दिया उसे कौन भुला सकता है। आज हमें जरूरत है माता रमाबाई अंबेडकर के बताए हुए आदर्श और उनके जीवन के संघर्षों को अपने जीवन में उतार कर आगे बढने् की। वे शनिवार को सेक्टर 8 के डॉक्टर अंबेडकर भवन में माता रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी।

उन्होंने विस्तार से रमाबाई अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि कितनी कठिन परिस्थितियों में माता रमाबाई अंबेडकर ने उस समय संघर्ष किया और तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सफलता हासिल की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सतप्रकाश रंगा ने माता रमाबाई अंबेडकर के जीवन को संघर्षों भरा बताया और कहा कि भूखा प्यासा रहने के साथ-साथ माता रमाबाई अंबेडकर ने अपने गहने बेचकर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को आगे बढ़ाने का काम किया और उनकी पढ़ाई में हर संभव सहयोग दिया। माता रमाबाई अंबेडकर ने अपना जीवन एक शेरनी की तरह जिया। समाज उनके योगदान को नहीं भुला सकता। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे माता रमाबाई अंबेडकर की आदर्शों को अपने जीवन में उतारे और मेहमान मेहनत के बलबूते पर संघर्ष करते हुए आगे बढ़ें। सफलता उनके अवश्य कदम चूमेगी।

डॉक्टर अंबेडकर भवन के प्रधान डॉ रामभक्त लांगायन ने माता रमाबाई अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि माता रमाबाई अंबेडकर ने गरीबी के दौर में अपने चार बच्चों को खोने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पढ़ाई में पूरा सहयोग किया। उनका पूरा जीवन संघर्ष और आदर्शों से भरा हुआ है। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने माता रमाबाई अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करें उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिवक्ता शांता रंगा, विशिष्ट अतिथि से वानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सत्यप्रकाश रंगा, प्रोफेसर अग्रवाल सहित अन्य सामाजिक लोगों को स्मृति चिन्ह व शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10वीं व 12वीं कक्षा में अव्वल अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा समाज के उन लोगों को भी अंबेडकर भवन की ओर से सम्मानित किया

गया, जिनके बच्चों ने मेहनत के बलबूते पर प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार में बड़े पद प्राप्त किए।

इस मौके पर डॉ सीआर जिलोवा, केसी रंगा, हरि सिंह, भले राम, जिला उप शिक्षा अधिकारी राजकुमार तुषार, रामकरण, श्यामलाल, डॉक्टर अजमेर सिंह, लखमीचंद, डॉ महावीर रंगा, बीके भास्कर, मैडम सुनीता, तारावती, रजिया, आरडी ग्रोवर एडवोकेट, एडवोकेट नरेश रंगा, सुशीला तंवर एडवोकेट, ताराचंद तंवर, सेवानिवृत्त बीडीपीओ नफे सिंह, बलबीर सिंह एजीएम, सुनीता सिंह, राजेंद्र भट्टी, राजेश, सुमित्रा लांगायन, ईश्वर लोगिंया, सत्यपाल भोला, सेवा सिंह डीटीओ, राजा राम, रामेश्वर ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

दुनिया बनाने वाले काहे को दुनिया बनाई, क्या तेरे दिल मे समाई

चींटी से ब्रह्मा तक मानव और दानव तीनो गुणों के अधीन : स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ के गद्दीनशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने सत्संग के दौरान रुहानी प्रवचनो मे फरमाया कि छोटी सी चींटी से लेकर ब्रह्मा तक मानव और दानव तीनो गुणों मे से किसी न किसी गुण के अधीन है। मनुष्य मे रजोगुण, देवी-देवताओं में सतोगुण प्रधान होता है और कभी-कभी इनमे तमोगुण की भी प्रधानता होती है। सतोगुण शुभ कार्यो की तरफ प्रेरित करता है। तमोगुण की अधिकता होने के कारण मानव भी दानव बन जाता है। मदिरा पान का सेवन और तरह-तरह की दुष्प्रवृतियों का शिकार हो जाता है। अहंकार और वासनाओं के कारण आसुरी प्रवृति अर्थात राक्षसों वाली प्रवृति बन जाती है। ईर्षा, द्वेष, नफरत, विरोधाभास, सही को गलत और गलत को सही, अपने आप को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को नीचा दिखाने की सबसे अधम और नीच प्रवृत्ति का शिकार हो जाता है। विषय-विकारों और निरर्थक विचारों की मृग मरीचिका के पीछे भागता रहता है। मन, बुद्धि, चित यानि कि अंतःकरण मलिन हो जाता है। वह ना अच्छा सोच सकता है और ना ही अच्छा कर सकता है। दृष्टि और दृष्टिकोण अंदर बाहर से नकारात्मक हो जाता है। शारीरिक कमजोरी, मानसिक तनाव, संशय, भेदभाव, अनेकों कुरीतियां और विसंगतियां उसे चारों ओर से बुरी तरह घेर लेती हैं। जिसका दुष्प्रभाव पहले खुद के उपर, घर परिवार के उपर, आसपास और फिर पूरे समाज के उपर पड़ता है। सांसारिक नाशवान वस्तुओं के प्रति आसक्ति, ऐशोआराम की प्रबल इच्छा, यश-मान, कीर्ती, सांसारिक रिशते- नातों के प्रति मोहपाश, ममता, काम करने मे टाल-मटोल, अपनी गलती को दूसरों के उपर थोप देना, बेकार की निरर्थक बहसबाजी और अनेकों विकृतियों का अनायास ही शिकार

हो जाता है। परमार्थ और पुरुषार्थ करने से जी चुराता है और स्वार्थ को पूरा करने मे ऐडी चोटी का जोर लगा देता है। ऐसा अभागा जीव अपने पांव पर खुद ही कुल्हाड़ी मार लेता है। धीरे-धीरे हीरा सा अनमोल मनुष्य जीवन कौडियों के भाव लुट जाता है। अंततः जीवन का पतन हो जाता है। इसलिए इन सब उलझनों और बुरी आदतों से छुटकरा पाने के लिए अध्यात्मिक ज्ञान, सत्संग सेवा एवं सिमरण और निरंतर साधना और अराधना बहुत जरुरी है।

महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि अगर ज्ञान और विवेक की दृष्टि से देखा जाए तो संसार मे ज्यादातर लोग स्वार्थी ही मिलेंगे और ऐसे मतलब परस्त लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए किसी भी भेदभाव और नीच स्तर तक गिर सकते हैं। जब तक स्वार्थ पूरा होता रहता है तो आगे-पीछे घूमेंगे, महिमा करते हुए सांस नही लेंगे, बातों के पुल बांध देंगे, कभी हंसकर कभी रोकर, कभी गिड़ गिड़ाकर, तरह-तरह का प्रलोभन और लालच देकर प्रभावित करने के लिए कई तरह की नौटंकी करेंगे। यहां यह कहना बिल्कुल उचित होगा जब ऐसे स्वार्थी लोगों का स्वार्थ पूरा हो जाएगा तो मिलना और बात करना तो दूर की बात शक्ल देखना भी पसंद नही करेंगे। पहले जो महिमा करते हुए नही थकते थे स्वार्थ पूरा होने के बाद उल्टा समझाना शुरु कर देते हैं, बात बात में नुकताचिनी, बहसबाजी, अपने आप को सही दूसरों को कसूरवार, अपनेआप को पूरा सूरा और दूसरों अधूरा और चुप रहने की सलाह देने लगते हैं। वाह रे परमात्मा कैसी विचित्र है तेरी माया। दुनिया बनाने वाले काहे को दुनिया बनाई, क्या तेरे दिल मे समाई। तेरा बनाया हुआ जीव कहता क्या है करता क्या है। हे प्रभु अनेकों नियामतों के मालिक ऐसे अभागे जीवों को सद्बुद्धि दे, विवेक और ज्ञान दे, कुमति नही सुमति दे, स्वार्थ की बजाए परमार्थ और पुरुषार्थ के मार्ग पर चलने की सदप्रेरणा दे, भटकाव नही लक्ष्य की तरफ बढ़ने की उम्मीद और साहस दे ताकि जीव विनाश की बजाए विकास की राह पर चल सके, चंचल और चलायमान मन को निर्मल करने की चेष्टा कर सके, अच्छे संस्कार और विचार ग्रहण कर सके, कर्ताभाव, भोक्ताभाव, अहंभाव और स्वार्थवाद को छोड़कर अपने आप को निमित्त मात्र और सतगुरु को सर्वेसर्वा समझकर मनुष्य जीवन को सार्थक सिद्ध कर सके।

बरसाती सीजन से पहले पूरा करें तालाबों की खुदाई और मरम्मत का कार्य

जिला के आधा दर्जन से अधिक गांवों का जिला उपायुक्त अनीश यादव ने किया दौरा

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंड़ा ।जिला उपायुक्त अनीश यादव ने शुक्रवार को जिला के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा किया और यहां पर चल रहे तालाबों की खुदाई व मरम्मत के कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि तालाबों पर चल रहा यह कार्य आगामी बरसाती सीजन से पहले पूरा कर लिया जाए। इसके साथ उन्होंने पट्टे पर दी जाने वाली पंचायती भूमि के संबंध में भी मौजूदा सरपंचों व पंचायती विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कई गांवों में ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया।

जिला उपायुक्त अनीश यादव सबसे पहले कुटेल गामड़ी गांव में पहुंचे। यहां हरियाणा पोंड अथॉरिटी द्वारा तालाब की खुदाई के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को तालाब के किनारे को मजबूत बनाया जाए। उन्होंने गांव वालों से तालाब के संबंध में जानकारी भी ली। गांव वालों ने बताया कि पूरे गांव का पानी इस तालाब में आता है। खुदाई के बाद गांव के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इसके बाद मुबारकाबाद में हरियाणा पोंड अथॉरिटी द्वारा किए जा रहे तालाब की खुदाई के काम का निरीक्षण किया। इस दौरान गांव वालों ने उन्हें बताया कि काफी लंबे समय के बाद इस तालाब में खुदाई हुई है, जिससे गांव के लोगों को भविष्य में जल भराव की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस तालाब में करीब 200 घरों का गंदा पानी जाता है। जिला उपायुक्त ने मुबारकाबाद के तालाब पर किए जा रहे काम की सराहना की।

बसताड़ा और झीवरहेड़ी गांव का भी किया दौरा

जिला उपायुक्त ने बसताड़ा और झीवरहेड़ी गांव का भी दौरा किया। बसताड़ा में दो तालाबों का दौरा किया। यहां एक तालाब पर हरियाणा पोंड अथॉरिटी और एक अन्य तालाब पर पंचायत विभाग द्वारा काम किया जा रहा है। जिला उपायुक्त ने इस कार्य को बरसाती सीजन से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। जिला उपायुक्त अनीश यादव ने झीवहरहेड़ी में फॉर्म पोंड का भी दौरा किया। यहां उन्होंने कुछ पंचायती भूमि पर फलदार पौधे लगवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द कार्यवाही की जाएगी।

फुरलक और मलिकपुर गांव का भी किया दौरा

जिला उपायुक्त अनीश यादव ने फुरलक और मलिकपुर गांव का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फुरलक में पंचायत फंड से बनाए जा रहे फॉर्म पौंड और हरियाणा पोंड अथॉरिटी द्वारा बनाए गए तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने हरियाणा पोंड अथॉरिटी के तालाब में जलखुम्भी की सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विभाग जल्द से जल्द संज्ञान ले और इसकी सफाई करवाए। जिला उपायुक्त ने मलिकपुर गांव में मनरेगा के तहत किए जा रहे खुदाई के कार्य के संतोषजनक न होने पर नाराजगी जाहिर की। इसके बाद उन्होंने गुढ़ा और बेगमपुर में भी तालाबों का दौरा किया और अधिकारियों को निर्देश दिए।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311